

यशोदा जी तो सें विनती करूं बारम्बार-
-11211

देख तेरो लरका काहे, रोकेरी बीच बजार-
मिलो तेरो लरका, दिल देखई सें घरका
पाँव रेंसा मेरा सरका हों ॥211

ये सें गम खा गई-नै तो देती तमाचा दो-चार

यशोदा जी-----

देख तेरो लरका-काहे वंशी बजाये बार-बार-
भूली काम सारो, ओ ये सासने भी मारो
तो हे लाल बड़ो प्यारो हों ॥211

ये सें गम खा गई-नै तो देती तमाचा दो-चार

यशोदा जी-----

देख तेरो लरका काहे पथरा चलाये सारी रात-
हैं "श्री बाबा श्री" काला हारीं सारी बूजवाला
संग तेरे ग्वाल वाला हों ॥211

ये सें गम खा गई-नै तो देती तमाचा दो-चार

यशोदा जी-----